S-352

Total Pages : 2 Roll No. .....

MAJY-607

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नाभस योगों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. नाभस योगों के शुभाशुभ फलों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. विविध प्रकार के राजयोगों पर प्रकाश डालिए।

4. अनफा, सुनफा, दुरुधरा योग का लक्षण एवं फल का विवेचन करें।

5. विंशोत्तरी दशा साधन की विधि का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अष्टोत्तरी दशा का सामान्य परिचय दीजिए।

2. योगिनी दशा से आप क्या समझते हैं?

3. अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा में क्या अन्तर है? स्पष्ट करें।

4. केमद्रुम योग का लक्षण पर प्रकाश डालिए।

5. चन्द्रादि योग से क्या तात्पर्य है? वर्णन कीजिए।

6. सूक्ष्म दशा और प्राण दशा में अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

7. सोदाहरण कालचक्र दशा का आनयन कीजिए।

8. कूर्म योग का लक्षण एवं फल का वर्णन कीजिए।